MAHAKAUSHAL UNIVERSITY, JABALPUR

As per model syllabus of U.G.C. New Delhi, drafted by Central Board of Studies and Approved by Higher Education and the Governor M.P.

कला एवं समाज विज्ञान संकाय

Faculty of Art & Social Science

Syllabus & Prescribed Books

Subject- Hindi

M.A. Semester Examination

MAHAKAUSHAL UNIVERSITY,

JABALPUR M.P.

SYLLABUS

M.A.

MAHAKAUSHAL UNIVERSITY,

JABALPUR M.P.

1st Semester

M.A
101

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास MHINO101 T

यूनिट 1: प्राचीन काव्य

- वेदों का साहित्यिक परिचय (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद)
- वेदों में काव्य तत्व (ऋचा, सूक्त, मंत्र)
- रामायण और महाभारत के काव्य स्वरूप
- कालिदास और उनके महाकाव्य (रघुवंशम, कुमारसम्भवम्)

यूनिट 2: भक्तिकालीन काव्य (14वीं-17वीं शताब्दी)

- भक्ति आंदोलन का उद्भव और प्रभाव
- संत काव्य: कबीर, नानक, दादू
- सगुण भक्ति काव्य: तुलसीदास (रामचरितमानस), सूरदास (सूरसागर)
- निर्गुण भक्ति काव्य: कबीर, रैदास
- प्रमुख काव्य विशेषताएँ और भाषाई प्रयोग

यूनिट 3: रीतिकालीन काव्य (17वीं-18वीं शताब्दी)

- रीतिकाल का सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य की परिभाषा
- बिहारीलाल (सतसई), केशव, पद्माकर
- रीतिकालीन कवियों की शैली और प्रमुख रचनाएँ

यूनिट 4: नायिका भेद और रस सिद्धांत

- नायिका भेद: संदर्भ और उदाहरण
- रस सिद्धांत का अध्ययन (भरतमुनि का नाट्यशास्त्र)
- रसों की परिभाषा और भेद
- मध्यकालीन काव्य में रसों का महत्व

यूनिट 5: प्राचीन और मध्यकालीन काव्य का तुलनात्मक अध्ययन

- प्राचीन काव्य और मध्यकालीन काव्य में विषयवस्तु का अंतर
- भाषा, शैली और तकनीकी संरचना का विश्लेषण
- ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रभाव

संदर्भ पुस्तकें (Reference Books)

1. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी काव्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. नगेंद्र
3. भक्ति आंदोलन और हिंदी साहित्य - डॉ. रमानाथ त्रिपाठी
4. रीतिकालीन काव्य का इतिहास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
5. भरत मुनि का नाट्यशास्त्र (रस सिद्धांत पर चर्चा के लिए)
6. भारतीय काव्यशास्त्र - हजारीप्रसाद द्विवेदी

आधुनिक हिंदी गद्य और उसका इतिहास (भाग 1)" MHIN0102 - T

इकाई 1: आधुनिक हिंदी गद्य का परिचय

- हिंदी गद्य की उत्पत्ति और विकास
- गद्य साहित्य के स्वरूप और प्रकार
- आधुनिक गद्य साहित्य में सुधार आंदोलन का प्रभाव

इकाई 2: निबंध साहित्य

- हिंदी निबंध की शुरुआत
- प्रमुख निबंधकार: बालमुकुंद गुप्त, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
- निबंध के प्रकार: आलोचनात्मक, व्यंग्यात्मक, और विषयपरक

इकाई 3: कहानी साहित्य

- हिंदी कहानी का विकास
- प्रेमचंद और आधुनिक कहानी के युग
- कहानी के प्रमुख तत्व और प्रवृत्तियाँ

इकाई 4: नाटक और एकांकी

- हिंदी नाटक का आरंभ और विकास
- भारतेंदु युग और आधुनिक नाटक
- प्रमुख नाटककार: जयशंकर प्रसाद, हरिशंकर परसाई

इकाई 5: उपन्यास साहित्य

- उपन्यास की परिभाषा और विकास
- प्रेमचंद और यथार्थवादी उपन्यास
- प्रमुख उपन्यासकार और उनकी कृतियाँ

संदर्भ पुस्तकें

1. हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
2. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
3. हिंदी निबंध: स्वरूप और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिंदी कहानी: विविध आयाम - नामवर सिंह
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास - शैलेश कुमार

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र (भाग 1) MHINO103 - T

ईकाई 1: काव्य की परिभाषा और स्वरूप

- काव्य की परिभाषा: भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोण।
- काव्य का उद्देश्य (अभिज्ञान शाकुंतलम, रस सिद्धांत)।
- काव्य में भाव, रस और सौंदर्यशास्त्र।

ईकाई 2: रस सिद्धांत

- भरत का नाट्यशास्त्र और रस सिद्धांत।
- स्थायी भाव, संचारी भाव और अनुभाव।
- आठ रस और नवरस का परिचय।
- रस निष्पत्ति प्रक्रिया।

ईकाई 3: ध्वनि सिद्धांत और अलंकार सिद्धांत

- ध्वनि सिद्धांत: आनंदवर्धन और अभिनवगुप्त का दृष्टिकोण।
- काव्य में ध्वनि का स्थान।
- अलंकार: शब्दालंकार और अर्थालंकार।
- महत्वपूर्ण अलंकारों का विवेचन (उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा)।

ईकाई 4: रीति और वक्रोक्ति सिद्धांत

- रीति सिद्धांत: वामन का दृष्टिकोण।
- वक्रोक्ति सिद्धांत: कुंतक का योगदान।
- वक्रोक्ति के प्रकार और प्रभाव।
- रीति और वक्रोक्ति का तुलनात्मक अध्ययन।

ईकाई 5: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो और अरस्तू के काव्य दृष्टिकोण।
- अनुकरण सिद्धांत।
- कैथार्सिस की अवधारणा।
- रॉमांटिसिज़्म और क्लासिसिज़्म।

संदर्भ ग्रंथ (References)

1. **भारतीय काव्यशास्त्र**: आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
2. **नाट्यशास्त्र**: भरत।
3. **काव्यप्रकाश**: मम्मट।
4. **रसगंगाधर**: जगन्नाथ पंडित।
5. **Western Literary Criticism**: Rene Wellek और Austin Warren।
6. **Theory of Literature**: Wimsatt और Brooks।

7. **Aristotle's Poetics:** अरस्तू।
8. **Classical Literary Criticism:** D.A. Russell।

पृयोजन्मूलक हिंदी (भाग 1)sem 1 paper 4 MHINO104 - T

ईकाई 1: हिंदी भाषा और उसका महत्व

- हिंदी का स्वरूप और विकास।
- राजभाषा, संपर्क भाषा और मातृभाषा के रूप में हिंदी।
- हिंदी का व्यावसायिक उपयोग।

ईकाई 2: व्याकरण और संचार कौशल

- हिंदी व्याकरण का परिचय।
- शब्द निर्माण और उनका सही प्रयोग।
- प्रभावी संचार के लिए भाषा का उपयोग।

ईकाई 3: अनुवाद और उसकी विधियाँ

- अनुवाद का अर्थ, प्रकार और महत्व।
- अनुवाद प्रक्रिया और उसकी समस्याएँ।
- व्यावसायिक अनुवाद का परिचय।

ईकाई 4: कार्यालयी और तकनीकी हिंदी

- सरकारी और गैर-सरकारी पत्राचार।
- रिपोर्ट, प्रस्ताव, और नोट तैयार करने की विधियाँ।
- कंप्यूटर और तकनीकी क्षेत्र में हिंदी का उपयोग।

ईकाई 5: पत्रकारिता और मीडिया में हिंदी

- पत्रकारिता का परिचय और इतिहास।
- हिंदी पत्रकारिता और मीडिया लेखन।
- विज्ञापन और जनसंचार में हिंदी।

संदर्भ पुस्तकों की सूची:

1. पृयोजन्मूलक हिंदी - डॉ. कृष्णा नंद गुप्ता।
2. हिंदी व्याकरण और रचना - डॉ. हरदेव बाहरी।
3. पत्राचार और कार्यालयी हिंदी - डॉ. राममोहन शर्मा।
4. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास - डॉ. शिवसागर मिश्र।
5. अनुवादः सिद्धांत और व्यवहार - डॉ. बालकृष्ण गुप्ता।

2nd Semester

२०।

"प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य और उसका इतिहास" MHIN0201-T

Paper 1 sem 2

इकाई 1: प्राचीन काव्य का परिचय

- वैदिक साहित्य: ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद
- महाकाव्य: रामायण और महाभारत
- पौराणिक काव्य: पुराणों का काव्य-सौंदर्य
- लोककाव्य: लोकगीतों की परंपरा

इकाई 2: शास्त्रीय संस्कृत काव्य

- कालिदास के काव्य: रघुवंश, मेघदूत, कुमारसंभव
- भास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष जैसे कवियों का योगदान
- नाट्यशास्त्र और काव्यशास्त्र का प्रभाव
- रस सिद्धांत और अलंकार परंपरा

इकाई 3: प्रारंभिक मध्यकालीन काव्य

- अपभ्रंश काव्य: सरहपा, सिद्ध काव्य परंपरा
- भक्ति आंदोलन: संत काव्य (सूरदास, तुलसीदास, कबीर, मीरा)
- जैन और बौद्ध साहित्य

इकाई 4: मध्यकालीन हिंदी काव्य

- भक्तिकाल: निर्गुण (कबीर, दादू) और सगुण (सूर, तुलसी)
- रीतिकालीन काव्य: बिहारी, केशवदास, पद्माकर
- प्रेमकाव्य: जायसी, कुतुबन, मंझन

इकाई 5: काव्य में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण

- साहित्य में सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव
- धार्मिक आंदोलनों का काव्य पर प्रभाव
- साहित्य में नारी की भूमिका
- क्षेत्रीय भाषाओं का विकास

संदर्भ सामग्री:

प्रमुख पुस्तकें:

1. "भारतीय काव्यशास्त्र" - विश्वनाथ त्रिपाठी
2. "संस्कृत साहित्य का इतिहास" - एस.एन. दासगुप्ता
3. "भक्ति आंदोलन और हिंदी साहित्य" - रामचंद्र शुक्ल
4. "मध्यकालीन हिंदी काव्य" - डॉ. नागेंद्र
5. "हिंदी साहित्य का इतिहास" - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

अतिरिक्त संदर्भ:

- वेद और पुराणों का अध्ययन (मूल ग्रंथ)
- कालिदास और भास की नाट्यकृतियाँ
- भक्ति साहित्य के संतों के दोहे और पद
- विभिन्न शोध-पत्र और निबंध

आधुनिक हिंदी गद्य और उसके इतिहास भाग 2 MHINO202 – T

1. Paper 2 (sem 2)

1. आधुनिक हिंदी गद्य का उद्भव और विकास

    - खड़ी बोली गद्य का प्रारंभ और विकास
    - ब्रज भाषा और खड़ी बोली गद्य का संबंध
    - प्रमुख गद्य रचनाकार और उनकी रचनाएँ

2. **प्रमुख गद्य विधाएँ:**
    - निबंध, उपन्यास, कहानी, नाटक, आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-वृत्तांत, रिपोर्ताज, पत्र, डायरी, साक्षात्कार, आलोचना
    - प्रत्येक विधा की विशेषताएँ और विकास
3. **प्रमुख गद्य रचनाकार:**
    - भारतेंदु हरिश्चंद्र, प्रेमचंद, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, महावीर प्रसाद द्विवेदी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह आदि
    - उनकी प्रमुख रचनाएँ और साहित्य में योगदान
4. **आधुनिक हिंदी गद्य में सामाजिक और सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ:**
    - सामाजिक सुधार आंदोलनों का प्रभाव
    - स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रवाद
    - आधुनिकता, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कहानी आंदोलन आदि
5. **आधुनिक हिंदी गद्य की भाषा और शैली:**
    - भाषाई विविधता और शैलीगत विशेषताएँ
    - प्रमुख गद्यकारों की भाषा शैली का अध्ययन

संदर्भ पुस्तकें:

- 'हिंदी साहित्य का इतिहास' – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- 'हिंदी गद्य साहित्य' – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
- 'आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास' – डॉ. बच्चन सिंह
- 'हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास' – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
- 'हिंदी का गद्य साहित्य' – डॉ. रामचंद्र तिवारी

पेपर का नाम:

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र (भाग 2) MHIN0203-T

सिलेबस इकाइयां:

ईकाई 1: भारतीय काव्यशास्त्र

1. ध्वनि सिद्धांत:
    - आचार्य आनंदवर्धन और ध्वन्यालोक
    - ध्वनि के प्रकार: अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
    - रस और ध्वनि का संबंध
2. रस सिद्धांत:
    - आचार्य भरत और रस सूत्र
    - रस के विभाव, अनुभाव, संचारी भाव

ईकाई 2: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

1. क्लासिकल सिद्धांत:
    - प्लेटो और अरस्तु के काव्य विचार
    - माइमेसिस (अनुकरण) और कैथार्सिस (शुद्धिकरण)
2. रोमांटिक सिद्धांत:
    - विलियम वड्र्सवर्थ और सैमुअल टेलर कॉलरिज के सिद्धांत
    - कल्पना और रचनात्मकता की अवधारणा

ईकाई 3: काव्य रचना और व्याख्या

1. भारतीय दृष्टिकोण:
    - वक्रोक्ति और रीति सिद्धांत
    - काव्य के प्रकार: महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक
2. पाश्चात्य दृष्टिकोण:
    - सिम्बॉलिज्म, मॉडर्निज्म और पोस्ट-मॉडर्निज्म

ईकाई 4: तुलनात्मक अध्ययन

- भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख अंतर और समानताएं
- काव्य के मूल्यांकन में भारतीय दृष्टिकोण की प्रासंगिकता

ईकाई 5: व्यावहारिक आलोचना

- किसी काव्य पाठ का रस और ध्वनि सिद्धांत के आधार पर विश्लेषण
- अरस्तु और आधुनिक आलोचना सिद्धांतों का उपयोग

संदर्भ ग्रंथ (References):

1. भारतीय काव्यशास्त्र के लिए:
    - ध्वन्यालोक (आचार्य आनंदवर्धन)
    - नाट्यशास्त्र (भरतमुनि)
    - काव्यप्रकाश (मम्मट)
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के लिए:
    - *Poetics* (Aristotle)
    - *A Defence of Poetry* (Percy Bysshe Shelley)
    - *Biographia Literaria* (S.T. Coleridge)
3. आधुनिक संदर्भ:
    - *Modern Literary Theory* (David Lodge)
    - *The Mirror and the Lamp* (M.H. Abrams)

"प्रयोजन मूलक हिंदी" भाग 2 MHINO204-T

Paper 4 (sem 2)

ईकाई 1: कविता और कविता शास्त्र

- कविता की प्रमुख विशेषताएँ
- कविता के प्रकार: भावुक, निराकार, रूपात्मक आदि
- काव्य शास्त्र और उसकी महत्ता

ईकाई 2: गद्य रचनाएँ

- गद्य रचनाओं का अध्ययन
- भाषाई संरचना और रचनात्मकता
- लेखक और रचनाओं का विश्लेषण

ईकाई 3: निबंध लेखन

- निबंध का परिचय और प्रकार
- निबंध लेखन की कला
- विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन

ईकाई 4: पत्र लेखन

- औपचारिक और अनौपचारिक पत्र लेखन
- पत्र लेखन के विभिन्न रूप
- पत्र लेखन में भाषा का प्रयोग

ईकाई 5: व्याकरण और शब्दावली

- शब्द गठन, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द
- व्याकरण के महत्वपूर्ण नियम
- वाक्य संरचना और शुद्ध लेखन

पेपर का नाम:

- "प्रयोजन मूलक हिंदी" (भाग 2)

संदर्भ पुस्तकें:

1. "हिंदी साहित्य का इतिहास" - डॉ. रामचंद्र शुक्ल
2. "हिंदी व्याकरण" - पं. रामनारायण त्रिपाठी

3. "निबंधों का संग्रह" - रामवृक्ष बेनीपुरी

3rd Semester

301

आधुनिक हिंदी गद्य और उसका इतिहास (भाग 1)" MHINO301 - T

Paper 1 (sem 3)

इकाई 1: आधुनिक हिंदी गद्य का परिचय

- हिंदी गद्य की उत्पत्ति और विकास
- गद्य साहित्य के स्वरूप और प्रकार
- आधुनिक गद्य साहित्य में सुधार आंदोलन का प्रभाव

इकाई 2: निबंध साहित्य

- हिंदी निबंध की शुरुआत
- प्रमुख निबंधकार: बालमुकुंद गुप्त, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
- निबंध के प्रकार: आलोचनात्मक, व्यंग्यात्मक, और विषयपरक

इकाई 3: कहानी साहित्य

- हिंदी कहानी का विकास
- प्रेमचंद और आधुनिक कहानी के युग
- कहानी के प्रमुख तत्व और प्रवृत्तियाँ

इकाई 4: नाटक और एकांकी

- हिंदी नाटक का आरंभ और विकास
- भारतेंदु युग और आधुनिक नाटक
- प्रमुख नाटककार: जयशंकर प्रसाद, हरिशंकर परसाई

इकाई 5: उपन्यास साहित्य

- उपन्यास की परिभाषा और विकास
- प्रेमचंद और यथार्थवादी उपन्यास
- प्रमुख उपन्यासकार और उनकी कृतियाँ

संदर्भ पुस्तकें

1. हिंदी गद्य साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
2. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
3. हिंदी निबंध: स्वरूप और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिंदी कहानी: विविध आयाम - नामवर सिंह
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास - शैलेश कुमार

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (भाग 1) सिलेबस MHINO302-T

Paper – 2 (sem 3)

ईकाई 1: भाषा और भाषा विज्ञान

- भाषा का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप।
- भाषा की विशेषताएँ।
- भाषा विज्ञान का अर्थ, परिभाषा और क्षेत्र।
- भाषाई अनुशासन: समाजभाषाविज्ञान, व्याकरण, ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान।

ईकाई 2: हिंदी भाषा का विकास

- हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।
- अपभ्रंश, पाली और प्राकृत से हिंदी तक की यात्रा।
- हिंदी की प्रमुख बोलियाँ (अवधी, ब्रज, खड़ी बोली आदि)।
- हिंदी का मानकीकरण।

ईकाई 3: हिंदी ध्वनि विज्ञान

- ध्वनि विज्ञान का परिचय।
- हिंदी के स्वर और व्यंजन।
- उच्चारण, ध्वनि भेद, वर्णमाला और मात्राएँ।
- स्वनिम और स्वनिमविज्ञान।

ईकाई 4: शब्द विज्ञान और शब्द रचना

- शब्द, उसकी परिभाषा और प्रकार।
- शब्दों की संरचना: मूल शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय।
- हिंदी में शब्द रचना की प्रक्रियाएँ।
- हिंदी में तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्द।

ईकाई 5: वाक्य रचना और अर्थ विज्ञान

- वाक्य और उसके प्रकार।
- वाक्य संरचना के नियम।
- हिंदी में वाक्य विन्यास।
- अर्थ विज्ञान: शब्दों के अर्थ, अर्थ के प्रकार।

संदर्भ पुस्तकें (Reference Books)

1. **भाषा विज्ञान: एक परिचय** - डॉ. रामविलास शर्मा।
2. **भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा** - डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी।
3. **हिंदी भाषा का इतिहास** - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।
4. **समाज भाषा विज्ञान** - डॉ. उषा रानी।

5. **हिंदी व्याकरण और रचना** - डॉ. हरदेव बाहरी।
6. **भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक अध्ययन** - डॉ. बलदेव वंशी।

हिंदी साहित्य का इतिहास भाग 1 MHINO303-T

Paper 3 (sem 3)

यूनिट 1: हिंदी साहित्य का आरंभ और विकास

- हिंदी साहित्य के आरंभिक काल का परिचय
- अपभ्रंश, प्राकृत, और अवधी का विकास
- हिंदी साहित्य के प्रमुख स्रोत

यूनिट 2: आदिकाल (वीरगाथा काल)

- काल की समय सीमा और सामाजिक स्थिति
- प्रमुख रचनाएँ: पृथ्वीराज रासो, आल्हा-खण्ड
- साहित्य का स्वरूप और भाषा

यूनिट 3: भक्तिकाल

- भक्तिकाल की पृष्ठभूमि
- रामभक्ति शाखा (तुलसीदास, सूरदास)
- कृष्णभक्ति शाखा
- निर्गुण भक्ति (कबीर, रैदास)

यूनिट 4: रीतिकाल

- रीतिकाल का परिचय और विशेषताएँ
- प्रमुख कवि: बिहारी, केशव, देव
- रीतिकालीन काव्य में शृंगार और भाषा

यूनिट 5: आधुनिक काल का आरंभ

- भारतेंदु युग और आधुनिक हिंदी साहित्य का उदय
- सामाजिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण
- प्रमुख लेखक: भारतेंदु हरिश्चंद्र

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - बच्चन सिंह
3. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. भारतेन्दु युग से आधुनिक काल तक - नामवर सिंह

4th Semester

Paper 4 (sam 3) सहायक वर्ग विशेष अध्ययन तुलसीदास ।

इकाई 1: तुलसीदास का जीवन और साहित्यिक परिचय

- तुलसीदास का जीवन परिचय।सहायक वर्ग विशेष अध्ययन
- उनके समय का सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य।
- साहित्यिक योगदान और उनके कृतित्व का महत्व।

इकाई 2: रामचरितमानस का अध्ययन

- रामचरितमानस की रचना प्रक्रिया।
- भाषा, शैली और संरचना।
- रामचरितमानस में धर्म, आदर्श और मानव मूल्यों का प्रतिपादन।

इकाई 3: कवितावली और अन्य कृतियाँ

- कवितावली, विनय पत्रिका और दोहावली का साहित्यिक अध्ययन।
- तुलसीदास के काव्य में भक्तिकालीन परंपरा।
- तुलसीदास की अन्य रचनाओं का संक्षिप्त परिचय।

इकाई 4: तुलसीदास की काव्य कला

- तुलसीदास की भाषा, शैली और छंद।
- तुलसीदास की काव्य में बिम्ब और प्रतीक।
- उनके काव्य में भक्ति और नीति का समन्वय।

इकाई 5: तुलसीदास के साहित्य का प्रभाव

- हिंदी साहित्य पर तुलसीदास का प्रभाव।
- भारतीय समाज और संस्कृति पर तुलसीदास का योगदान।
- तुलसीदास का आधुनिक संदर्भ।

रेफरेंस पुस्तकें (संदर्भ और अध्ययन सामग्री):

1. डॉ. रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास।
2. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी - तुलसीदास।
3. रामनारायण शुक्ल - तुलसी साहित्य का विवेचन।
4. विश्वनाथ त्रिपाठी - लोक और तुलसी।

5. नागरी प्रचारिणी सभा - तुलसी ग्रंथावली।

आधुनिक हिंदी काव्य और उसके इतिहास भाग 2'

MHIN0401 – T

Paper 1 (sem 4)

इकाई 1: आधुनिक हिंदी काव्य का परिचय

- काव्य का सामान्य परिचय, अर्थ, परिभाषाएँ, उद्भव और विकास।
- काव्य कला, तत्व, प्रकार, विशेषताएँ और महत्व।

इकाई 2: प्रमुख कवि – अज्ञेय और केदारनाथ अग्रवाल

- अज्ञेय और केदारनाथ अग्रवाल का जीवन परिचय।
- उनकी प्रमुख रचनाओं का अध्ययन।

इकाई 3: प्रमुख कवि – नागार्जुन और रघुवीर सहाय

- नागार्जुन और रघुवीर सहाय का जीवन परिचय।
- उनकी प्रमुख रचनाओं का अध्ययन।

इकाई 4: प्रमुख कवि – काव्यादोहन और सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

- काव्यादोहन और सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का जीवन परिचय।
- उनकी प्रमुख रचनाओं का अध्ययन।

इकाई 5: प्रमुख कवि – धूमिल और मुक्तिबोध

- धूमिल और मुक्तिबोध का जीवन परिचय।
- उनकी प्रमुख रचनाओं का अध्ययन।

संदर्भ पुस्तकें:

1. 'आधुनिक हिंदी काव्य' – मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित।

   Maulana Azad National Urdu University

2. 'हिंदी साहित्य का इतिहास' – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।

   Wikipedia

3. 'निराला की साहित्य साधना' (भाग 1, 2, 3) – डॉ. रामविलास शर्मा।

4. 'हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास' – डॉ. बच्चन सिंह।

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (भाग 2) सिलेबस

MHIN04102 - T

Paper 2 (sem 4)

ईकाई 1: भाषा का स्वरूप एवं विकास

1. भाषा की परिभाषा और स्वरूप
2. भाषा और बोली का अंतर
3. भाषा के प्रकार और वर्गीकरण
4. हिंदी भाषा का विकास (अपभ्रंश, प्राकृत, और संस्कृत से हिंदी तक)

ईकाई 2: भाषा विज्ञान की शाखाएँ

1. ध्वनिविज्ञान (Phonetics)
2. शब्द विज्ञान (Morphology)
3. वाक्यविज्ञान (Syntax)
4. अर्थविज्ञान (Semantics)
5. प्रागितिहासिक भाषा अध्ययन

ईकाई 3: हिंदी भाषा की संरचना

1. हिंदी व्याकरण के मूल तत्व
2. हिंदी में शब्द निर्माण प्रक्रियाएँ
3. हिंदी भाषा में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण का विश्लेषण
4. हिंदी वाक्य संरचना

ईकाई 4: हिंदी भाषा का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ

1. हिंदी भाषा का समाजशास्त्रीय अध्ययन
2. हिंदी भाषा की विविधताएँ और क्षेत्रीय बोलियाँ
3. हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के संबंध
4. हिंदी का वैश्विक परिप्रेक्ष्य

ईकाई 5: व्यावहारिक हिंदी भाषा अध्ययन

1. हिंदी अनुवाद (Translation) के सिद्धांत और प्रक्रिया
2. पत्रकारिता और मीडिया में हिंदी का उपयोग
3. हिंदी कंप्यूटिंग और तकनीकी भाषा
4. हिंदी भाषा के शिक्षण के आधुनिक दृष्टिकोण

संदर्भ ग्रंथ (Reference Books)

1. **भाषा विज्ञान** - डॉ. रामविलास शर्मा
2. **हिंदी भाषा का विकास** - डॉ. सत्येन्द्र
3. **भाषा और समाज** - डॉ. नामवर सिंह
4. **हिंदी भाषा और व्याकरण** - किशोरीदास वाजपेयी

5. **अनुवाद विज्ञान** - डॉ. अनामिका पाठक
6. **भाषा विज्ञान के सिद्धांत** - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी

सिलेबस: हिंदी साहित्य का इतिहास भाग 2

MHIN0403-T

Paper 3 (sem 4)

इकाई 1: आधुनिक हिंदी साहित्य का उद्भव

- भारतेंदु युग: सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- हिंदी गद्य साहित्य का प्रारंभ: नाटक, निबंध, कथा साहित्य
- प्रमुख रचनाकार: भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्ट आदि

इकाई 2: द्विवेदी युग

- महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान
- काव्य में सुधारवादी और नैतिक दृष्टि
- गद्य विधाओं का विकास: निबंध, उपन्यास, नाटक

इकाई 3: छायावाद युग

- छायावाद का उद्भव और विशेषताएँ
- प्रमुख कवि: जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
- छायावाद के काव्य और विचार

इकाई 4: प्रगतिवाद और प्रयोगवाद

- प्रगतिवाद: सामाजिक यथार्थ और साहित्य
- प्रमुख लेखक: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल
- प्रयोगवाद: नई कविता और उसके प्रयोग

इकाई 5: समकालीन हिंदी साहित्य

- समकालीन कविता, उपन्यास, नाटक और कहानियों का अध्ययन
- दलित साहित्य, नारीवादी साहित्य और पर्यावरणीय साहित्य
- आधुनिक संदर्भ में हिंदी साहित्य की चुनौतियां

संदर्भ पुस्तकें (Reference Books)

1. डॉ. रामचंद्र शुक्ल - *हिंदी साहित्य का इतिहास*
2. डॉ. बच्चन सिंह - *हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास*
3. नामवर सिंह - *आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ*
4. डॉ. नगेन्द्र - *हिंदी साहित्य का विकास*
5. राजकुमार सैनी - *आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास*
6. रामविलास शर्मा - *भारतेंदु युग और हिंदी नवजागरण*

7. मैथिलीशरण गुप्त - *भारत भारती* (संदर्भ के लिए)

'सहायक वर्ग विशेष अध्ययन तुलसीदास भाग 2'

MHIN0404-T

Paper 4 (sem 4)

इकाई 1: तुलसीदास का जीवन परिचय और साहित्यिक योगदान

- तुलसीदास के जीवन की प्रमुख घटनाएँ
- उनकी प्रमुख रचनाएँ और साहित्य में स्थान

इकाई 2: रामचरितमानस का अध्ययन

- रामचरितमानस की संरचना और विशेषताएँ
- प्रमुख पात्रों का विश्लेषण

इकाई 3: तुलसीदास की भाषा और शैली

- तुलसीदास की भाषा की विशेषताएँ
- उनकी काव्य शैली और अलंकारिकता

इकाई 4: तुलसीदास की भक्ति भावना

- भक्ति आंदोलन में तुलसीदास का योगदान
- उनकी रचनाओं में भक्ति के विभिन्न पहलू

इकाई 5: तुलसीदास की सामाजिक दृष्टि

- समाज सुधार में तुलसीदास की भूमिका
- उनकी रचनाओं में सामाजिक संदेश

संदर्भ पुस्तकें:

1. 'गोस्वामी तुलसीदास' – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. 'तुलसीदास और उनका युग' – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. 'तुलसीदास का साहित्यिक अध्ययन' – डॉ. रामविलास शर्मा
4. 'रामचरितमानस का सांस्कृतिक अध्ययन' – डॉ. नामवर सिंह
5. 'तुलसीदास: जीवन और साहित्य' – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी